अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-III

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2022 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-II, Hindi (2022 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
III	Major (Mandatory)	PAHN231	आधुनिक काव्य 1	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN232	भाषा विज्ञान	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN233	हिंदी साहित्य का इतिहास	Theory	04
	Major (Mandatory)	PAHN234	आधुनिक हिंदी आलोचना	Theory	04
			Total Credits Semester- III		**16**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-2] SEMISTER – III

आधुनिक काव्य-1
(छायावादी तथा नई कविता)
PAPER CODE : PAHN-231
SYLLABUS FOR M.A.-2
[Pattern - 2022]

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	: PAHN
Class	: M.A. -II
Semester	: III
Course Type	: Theory
Course Name	:आधुनिक काव्य 1
Course Code	: PAHN 231
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छात्रों को आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।
4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन,अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
5. काव्य मूल्यांकन–दृष्टि विकसित करना।
6. काव्य आकलन की दृष्टि निर्माण करना।
7. काव्य सृजन के लिए प्रोत्साहित करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्र आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचय होंगे।
CO2- छात्रों को आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता काव्य के तात्विक स्वरूप से परिचय होंगे।
CO3- आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचय होंगे।
CO4- छात्रों को आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन,अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होंगी।
CO5- काव्य मूल्यांकन–दृष्टि विकसित होंगी।
CO6- काव्य आकलन की दृष्टि निर्माण होंगी।
CO7- काव्य सृजन के लिए प्रोत्साहित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 9 : सामान्य स्तर
आधुनिक काव्य–1
(छायावादी तथा नई कविता)
PAPER CODE : PAHN 231
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

(1) कामायनी : जयशंकर प्रसाद

प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

केवल 'श्रद्धा' तथा 'लज्जा' सर्गों का अध्ययन

अध्ययनार्थ विषय :

1. 'कामायनी' की कथा में इतिहास और कल्पना
2. 'कामायनी' में चरित्र–चित्रण
3. 'कामायनी' में रूपक तत्व
4. 'कामायनी' का महाकाव्यत्व
5. 'कामायनी' की दार्शनिकता
6. 'कामायनी' का कलापक्ष–भाषा, अलंकार, छंद विधान

(तासिकाएँ 30 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 02)

(2) काव्य प्रसून : संपा. प्रो. डॉ. सदानंद भोसले

प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

अध्ययनार्थ विषय :

1. नई कविता का स्वरूप और विशेषताएँ
2. नई कविता की विषयवस्तु
3. नई कविता का उद्देश्य
4. नई कविता में आधुनिक बोध
5. नई कविता का शिल्प तथा कला पक्ष

(भाषा, बिंब विधान, प्रतीक योजनाऔर अलंकार)

(तासिकाएँ 30 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट – 02)

कुलश्रेयांक/कर्मांक = 04

ईकाई–I	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
ईकाई–I	कामायनी (श्रद्धा सर्ग) – जयशंकरप्रसाद संवेदना एवंशिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
ईकाई–II	कामायनी (लज्जा सर्ग) – जयशंकरप्रसाद संवेदना एवंशिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
ईकाई–III	1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिणी भी हूँ–महादेवी वर्मा 2) पहाडी बच्चा–निर्मल पुत्तल 3) कूडा बीनते बच्चे–अनामिका 4) जिंदगी का नमक–निर्मला गर्ग 5) अंधेरे में बुद्ध –गगन गिल उक्त रचनाओं का, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
ईकाई– IV	1) बात बोलेगी– शमशेर बहादुर सिंह 2) एक पीली शाम–शमशेरबहादुर सिंह 3) भारत की आरती– शमशेरबहादुर सिंह 4) रोटी और संसद– धूमिल 5) मोचीराम– धूमिल उक्त रचनाओं का, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथः

1. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन–डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ –डॉ नगेंद्र
3. कामायनी चिंतन–विमलकुमार जैन
4. कामायनी : एक नवीनदृष्टि–प्रो. रमेशचंद्र गुप्त
5. कामायनी : इतिहास और रूपक –सुशीला भारती
6. कामायनी विमर्श–भगीरथ दीक्षित
7. कामायनी कला और दर्शन–राममूर्ति त्रिपाठी
8. कामायनी एक पुनर्विचार–गजाननमाधव मुक्तिबोध
9. कामायनी पुनर्मूल्यांकन–डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता में महाभारत के पात्र–डॉ.जे.आर.बोरसे
11. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर–डॉ. संतोषकुमार तिवारी
12. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि–द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

13. मैथिलीशरण गुप्त के खंड़ काव्यों का अनुशीलन–डॉ. योगिता हिरे
14. नई कविता–डॉ. देवराज
15. नई कविता–आ. नंददुलारे वाजपेयी
16. जगदीश गुप्त का काव्य विविध आयाम–डॉ. सुरेश शिंदे, अभयप्रकाशन, कानपुर
17. नई रचना और रचनाकार–डॉ. दयानंद शर्मा, अन्नपूर्णाप्रका.,कानपुर
18. जगदीश गुप्त का काव्य चिंतन और सृजन–डॉ. सुजीतकुमार शर्मा,श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
19. काव्य पंरपरा और नई कविता की भूमिका–डॉ. श्रीमती कमलकुमार, प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली
20. नवधा–संपा. अज्ञेय, डॉ. जगदीश गुप्त, भारतीय साहित्य प्रकाशन, मेरठ
21. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर–डॉ. संतोषकुमार तिवारी

————————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN231

Tittle of Course : आधुनिक काव्य-1

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1		À							
CO 2			Ã						
CO 3									
CO 4	Ã				Ã	Õ			
CO 5						Õ			
CO 6						Õ			
CO 7						Ã			
CO 8									

directrelation

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO4- छात्रों को आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन,अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO1- छात्र आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचय होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO2- छात्रों को आधुनिक काल के छायावादी तथा नई कविता काव्य के तात्विक स्वरूप से परिचय होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO4- छात्रों को आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन,अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि

विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4- छात्रों को आधुनिक काव्य रचनाओं के आस्वादन,अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होंगी।

CO5- काव्य मूल्यांकन-दृष्टि विकसित होंगी।

CO6- काव्य आकलन की दृष्टि निर्माण होंगी।

CO7- काव्य सृजन के लिए प्रोत्साहित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला[M.A.-2] SEMISTER – III

विशेष स्तर : भाषा विज्ञान

PAPER CODE : PAHN-232

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**: भाषा विज्ञान**
Course Code	**: PAHN 232**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी देना।
4. हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।
5. हिंदी के शब्द–भेदों के विकासक्रम का विवरण देना।
6. हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।
7. साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से परिचय होंगे।

CO2-भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचय होंगे।

CO3-भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी होंगी।

CO4-हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होंगे।

CO5-हिंदी के शब्द–भेदों के विकासक्रम से परिचित होंगे।

CO6-हिंदी के विविध रूपों से परिचित होंगे।

CO7-साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. भाषा प्रयोग शाला में प्रयोग।
6. परिचर्चा तथा अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर :
भाषा विज्ञान
PAPER CODE : PAHN 232
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप और व्याप्ति अध्ययन की दिशाएँ	**15 तासिकाएँ**
इकाई–II	स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन।	**15 तासिकाएँ**
इकाई–III	रूप विज्ञान :–रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य। पदबंध और उपवाक्य :पदबंध का स्वरूप,पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।	**15 तासिकाएँ**
इकाई– IV	वाक्य विज्ञान :वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण–मूलवाक्य, रूपांतरित वाक्य, आंतरिक संरचना, बाह्य संरचना। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण	**15 तासिकाएँ**

संदर्भ ग्रंथ :

1.भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी
2.भाषा विज्ञान–डॉ. राजमल बोरा
3.भाषा विज्ञान की भूमिका–सैद्धांतिक विवेचन–डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4.भाषा विज्ञान के सिद्धांत–डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
5.भाषा विज्ञान–सैद्धांतिक विवेचन–रवींद्र श्रीवास्तव
6.भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा–द्वारिका प्रसाद सक्सेना

7.भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8.भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा–डॉ. केशवदेव रूपाली
9.भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा–डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10.भाषा विज्ञान की भूमिका–आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11.सामान्य भाषा विज्ञान–डॉ. बाबूराम सक्सेना
12.आधुनिक भाषा विज्ञान–डॉ. कृपाशंकर सिंह
13.आधुनिकभाषाविज्ञान के सिद्धांत–डॉ. रामकिशोर शर्मा
14.भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ. तेजपाल चौधरी
15.भाषा–ब्लूमफील्ड (अनुवादक–डॉ. विश्वनाथप्रसाद)
16.हिंदी भाषा–डॉ. भोलानाथ तिवारी
17.हिंदी भाषा का उद्भव और विकास–डॉ. उदयनारायण तिवारी
18.हिंदी का उद्भव, विकास और रूप–डॉ. हरदेव बाहरी
19.हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ –डॉ. हरदेव बाहरी
20.हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप–डॉ. अंबाप्रसाद'सुमन'
21.हिंदी भाषा–कैलाश चंद्रभाटिया
22.हिंदी भाषा का इतिहास–डॉ. भोलानाथ तिवारी
23.भारतीय लिपियों की कहानी–गुणाकर मुले
24.नागरी लिपि रूप और सुधार–मोहन ब्रिज
25.नागरी लिपि का उद्भव और विकास–डॉ.ओमप्रकाश भाटिया
26.नागरी की लिपि संरचना–डॉ. भोलानाथ तिवारी
27.भारत की भाषाएँ–डॉ. राजमल बोरा
28.हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास–डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
29.हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप–डॉ. राममूर्ति शर्मा
30.आधुनिक भाषा विज्ञान–डॉ. केशवदत्त रूपाली
31.भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका– त्रिलोचन पांडेय
32.भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास–डॉ. देवेंद्रप्रताप सिंह
33.भाषा विज्ञान और हिंदी–डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
34.भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा–डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN232

Tittle of Course : भाषा विज्ञान

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1				À					
CO 2	Ã			Ã		Ã			
CO 3						Ã			
CO 4									
CO 5									
CO 6			Ã		Ã				
CO 7					À				
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचय होंगे।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO6- हिंदी के विविध रूपों से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO1- भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं से परिचय होंगे।

CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचय होंगे।

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO6- हिंदी के विविध रूपों से परिचित होंगे।

CO7- साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO2- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचय होंगे।

CO3- भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

.....

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-2] SEMISTER – III

विशेष स्तर–हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

PAPER CODE : PAHN-233

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**: हिंदी साहित्य का इतिहास**
Course Code	**: PAHN 233**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
4. जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
5. युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।
6. हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझाना।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगबोध कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण से परिचित होंगे।

CO3-आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।

CO4-जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।

CO5-युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से परिचित होंगे।

CO6-हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझेंगे।

CO7-हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगबोध से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी)तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 11 : विशेष स्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)
PAPER CODE : PAHN 233
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई –I	हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा,पद्धतियाँ, कालविभाजनऔरनामकरण।	15 तासिकाएँ
इकाई –II	आदिकाल की सामाजिक–साहित्यिक पृष्ठभूमि आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ रासो साहित्य,जैन साहित्य सिद्ध और नाथ साहित्य। चंदबरदाई का परिचय	15 तासिकाएँ
इकाई –III	भक्ति आंदोलन भक्तिकाल की सामाजिक–साहित्यिक पृष्ठभूमि आलवार संत,भक्तिकाल का प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार निर्गुण–सगुण कवि और उनका काव्य निर्गुण धारा के कवि : कबीर, रैदास, जायसी, नामदेव सगुण धारा के कवि : सूरदास, मीराबाई, रसखान, तुलसीदास	15 तासिकाएँ
इकाई – IV	रीतिकाल की सामाजिक–साहित्यिक पृष्ठभूमि रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, और रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। बिहारी, केशव, घनानंद, भूषण।	15 तासिकाएँ

संदर्भग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामचंद्र कपूर (प्रभात प्रकाशन,दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंदराम शर्मा
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल
10. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय
11. आधुनिक साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
12. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
13. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – डॉ. उमेश शास्त्री
15. हिंदी साहित्य : एक परिचय – डॉ. त्रिभुवन सिंह
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. हिंदी रीति साहित्य – डॉ. भगीरथ मिश्र
18. रीतियुगीन काव्य – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
19. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
20. हिंदी रीतिकालीन पर काव्य संस्कृत काव्य का प्रभाव–डॉ. दयानंद शर्मा
21. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल – श्री. नारायण चतुर्वेदी
22. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN233

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					Ã				
CO 2									
CO 3			Ã						
CO 4									
CO 5		Ã							
CO 6						Õ			
CO 7						Ã			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5- युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO3- आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO1- छात्र युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO6- हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझेंगे।

CO7- हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगबोध से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला [M.A.-2] SEMISTER – III

विशेष स्तर–वैकल्पिक

आधुनिक हिंदी आलोचना

PAPER CODE : PAHN-234

SYLLABUS FOR M.A.-2

[Pattern - 2022]

Name of the Programme	**: M.A. Hindi**
Program Code	**: PAHN**
Class	**: M.A. -II**
Semester	**: III**
Course Type	**: Theory**
Course Name	**: आधुनिक हिंदी आलोचना**
Course Code	**: PAHN 234**
No. of Lectures	**: 60**
No. of Credits	**: 04**

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को आलोचना के स्वरूप से परिचित कराना ।
2. हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना ।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से अवगत कराना ।
4. हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना ।
5. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना ।
6. आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित कराना ।
7. आलोचना के माध्यम से चिकित्सक वृत्ति से परिचित कराना ।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2-हिंदी आलोचना के विकास से परिचित होंगे।

CO3-हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होंगे। CO4-हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित होंगे।

CO5-छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO6-आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित होंगे।

CO7-आलोचना के माध्यम से चिकित्सक वृत्ति विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा तथा परिचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों, संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर
वैकल्पिक : (अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

PAPER CODE : PAHN 234

(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2023–24 से)

पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–I	आलोचना : स्वरूप, उद्देश्य, आलोचक के गुण। आलोचनाऔरअनुसंधान।	15 तासिकाएँ
इकाई–II	आलोचना दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ। मार्क्सवादी, मनौवैज्ञानिक, शैलिवैज्ञानिक, प्रकृतिवादी।	15 तासिकाएँ
इकाई–III	हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास, भारतेंदुकालीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, आ. शुक्लयुगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	हिंदी के प्रमुख आलोचक आ.रामचंद्र शुक्ल आ.नंददुलारे वाजपेयी आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी डॉ. रामविलास शर्मा डॉ. नामवरसिंह।	15 तासिकाएँ

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया–आनंदप्रकाश दीक्षित
2. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत–डॉ. रामलाल सिंह
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना–डॉ. रामविलास शर्मा
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदीः व्यक्तित्व और साहित्य–डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
5. आ. नंददुलारे वाजपेयीः व्यक्तित्व और साहित्य–डॉ.रामाधार शर्मा
6. हिंदी आलोचना का इतिहास–डॉ. रामदरश मिश्र
7. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास–भगवतस्वरूप मिश्र
8. हिंदी के विशिष्ट आलोचक–नंदकुमार राय

9. हिंदी आलोचना के आधारस्तंभ–डॉ. रामेश्वर खंडेलवाल
10. हिंदी की सैद्धांतिक समीक्षा–डॉ. रामाधार शर्मा
11. हिंदी की सैद्धांतिक आलोचना–डॉ. रूपकिशोर मिश्र
12. हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ–डॉ. रामदरश मिश्र
13. हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल–डॉ.शिवकुमार मिश्र
14. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी–संपा. विश्वनाथ तिवारी
15. डॉ. नगेंद्र के आलोचना सिद्धांत–नारायण प्रसाद चौबे
16. डॉ. रामविलास शर्मा–डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
17. आलोचक रामविलास शर्मा–डॉ. नत्थन सिंह
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अधुनातम संदर्भ–डॉ. सत्यदेव मिश्र
19. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन–डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
20. काव्यशास्त्र –डॉ. सुधाकर कलावडे
21. साहित्य अध्ययन की दृष्टियॉं–संपा. डॉ. उदय भानु सिंह,डॉ. उदयप्रकाश
22. आधुनिकता बनाम उत्तरआधुनिकता–संपादक–डॉ. संजीवकुमार जैन
तथा डॉ. मणिमोहन मेहता

———————————

Choice Based Credit System Syllabus (2022 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: PAHN234

Tittle of Course : आधुनिक हिंदी आलोचना

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1								3	
CO 2								3	
CO 3	3			1				3	
CO 4			2					3	
CO 5	3		2			3		3	
CO 6								3	
CO 7	3					3		3	
CO 8								3	

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :

CO3- हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होंगे।

CO5- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO7- आलोचना के माध्यम से चिकित्सक वृत्ति विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :

CO4- हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित होंगे।

CO5- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO3- हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होंगे।

PO5 : व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO5- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO7- आलोचना के माध्यम से चिकित्सक वृत्ति विकसित होंगी।

CO5- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1- छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2- हिंदी आलोचना के विकास से परिचित होंगे।

CO3- हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से परिचित होंगे।

CO4- हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित होंगे।

CO5- छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होंगी।

CO6- आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित होंगे।

CO7- आलोचना के माध्यम से चिकित्सक वृत्ति विकसित होंगी।

''